मऊआइमा में जयकारों के बीच मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

शारदा सहायक नहरपर उमड़े श्रद्धालु, नम आंखोंसे दी मां को विदायी

मऊआइमा (प्रयागराज)। मऊआइमा थाना क्षेत्र के सराय बादशाह कुली, हरखपुर, जोगीपुर और बांकाजलालपुर स्थित शारदा सहायक नहर पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। इस दौरान 'जय माता दी' और 'माता रानी की जय' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

मऊआइमा और प्रतापगढ़ क्षेत्र के आसपास के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु विसर्जन स्थलों पर पहुंचे। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते मां की प्रतिमाओं को लेकर पहुंचे। विसर्जन के दौरान भक्तों ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदायी दी और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा मंगलमय जीवन की कामना की। साथ ही अगले वर्ष मां के पुनः आगमन की प्रार्थना की। प्रतिमा विसर्जन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। घाटों पर पूजा-अर्चना के बाद विधि-विधान से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। वहीं, विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस और जल पुलिस के जवान बड़ी संख्या में तैनात रहे, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।



मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करते श्रद्धालु।

नम आंखों से मां दुर्गा को दी विदाई जयकारों के बीच निकली विसर्जन शोभायात्रा

खूब उड़े अबीर-गुलाल, आदर्श तालाब और नदियों में हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

बरगढ़ (चित्रकूट)। शारदीय नवरात्र के नौ दिवसीय पर्व के समापन पर बुधवार को बरगढ़ कस्बे में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। मां भगवती को विदायी देते समय श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। जय माता दी के गगनभेदी जयकारों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्ति गीतों के बीच निकली विसर्जन शोभायात्रा से पूरा कस्बा भक्तिमय हो उठा। इस दौरान जगह-जगह अबीर-गुलाल उड़ाया गया।नौ दिनों तक मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद विदायी की घड़ी आई तो सुबह से ही पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। मां की विशाल प्रतिमाओं को विदायी देने के लिए निकली शोभायात्रा रेलवे स्टेशन, अशोक चौराहा, कलेक्टरगंज और बरगढ़ के बीच बाजार सहित कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रास्ते के दोनों ओर खड़े लोगों ने मां के दर्शन किए और जयकारे लगाए। शोभायात्रा में युवा, महिलाएं और बुजुर्ग ढोल-नगाड़ों तथा डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों की धुन पर झूमते नजर आए।दुर्गा पंडालों में बड़ी संख्या में जुटीं महिला श्रद्धालुओं ने मां भगवती से अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, लंबी उम्र और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। श्रद्धालुओं के चेहरों पर मां को विदा करने की उदासी के साथ अगले वर्ष उनके फिर से आगमन की उम्मीद भी दिखायी दी। शोभायात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए आदर्श तालाब और नदियों तक पहुंची, जहां आचार्यों के मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गये थे। विसर्जन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इसके साथ ही बरगढ़ में शारदीय नवरात्र का पर्व संपन्न हो गया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।



घूरपुर बाजार में मां दुर्गा की प्रतिमा का भव्य विसर्जन

नौ दिनों तक हुई पूजा-अर्चना शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

घूरपुर (प्रयागराज)। घूरपुर बाजार में जय मां शारदा धार्मिक प्रतिष्ठान की ओर से स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का सोमवार को धूमधाम से विसर्जन किया गया। नौ दिनों तक पूजा-अर्चना के बाद विजयदशमी पर मां की अंतिम आरती और हवन-पूजन किया गया। इसके बाद शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।



शोभायात्रा में आगे-आगे ढोल-नगाड़े बज रहे थे और डीजे पर भक्ति गीत गूंज रहे थे। महिला-पुरुष, युवा और बच्चे मां के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। पूरे बाजार में उत्सव जैसा माहौल रहा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पमालाओं से शोभायात्रा का स्वागत किया। आयोजन के दौरान घूरपुर थाना पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौजूद रही, ताकि शोभायात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। प्रतिष्ठान के अध्यक्ष संजीव कुमार जायसवाल सहित पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों ने आयोजन में सहयोग किया। विसर्जन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी मां दुर्गा की पूजा और विसर्जन का कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

प्रतापपुर क्षेत्र में धूमधाम से हुआ मां दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

प्रतापपुर (प्रयागराज)। प्रतापपुर क्षेत्र के छतौना गांव में मंगलवार को मां दुर्गा की प्रतिमा का पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ विसर्जन किया गया। नौ दिनों तक चले दुर्गा पूजा उत्सव के समापन पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती के बाद मां को विदायी दी।

विसर्जन से पहले मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच मां शेरावाली की आरती उतारी गयी। इसके बाद ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर श्रद्धालुओं ने गांव में शोभायात्रा निकाली।

इस दौरान अबीर-गुलाल उड़ाते हुए भक्त मां के जयकारे लगाते रहे। निर्धारित तालाब में प्रतिमा का विसर्जन किया गया। कार्यक्रम में लालता प्रसाद, बेदेलाल, कल्पनाथ, मिठाई लाल, पप्पू सिंह, राजीव, गुलाब सिंह, रतीराम, पप्पू यादव, विनोद मौर्य, भैयादेव राज और मास्टर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इसी क्रम में क्षेत्र के सिरसा, बेला, अनुआ, नेदुला, चंपापुर और चनेथू गांवों में भी नौ दिनों की पूजा-अर्चना के बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विभिन्न गांवों में स्थानीय तालाबों और करुणा नदी में प्रतिमाएं विसर्जित की गईं। पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना रहा।

मेले में बना मंच गिरा, युवक का पैर टूटा, कई घायल

अधिक लोगों के चढ़ने से हुआ हादसा, मची अफरा-तफरी



मऊआइमा (प्रयागराज)। मऊआइमा के रामबाग में मंगलवार रात दशहरा मेले के दौरान चौकियों और झांकियों के संचालन के लिए बनाया गया मंच अचानक ढह गया। रात करीब आठ बजे हुए हादसे में रवि कुमार (२५) का पैर टूट गया, जबकि रामलीला समिति के संयोजक शनि खत्री सहित कई लोग घायल हो गये। कुछ अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं।

बताया जाता है कि मंच पर अधिक लोगों के चढ़ने के कारण वह अचानक गिर पड़ा। मंच ढहते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों और मेला कमेटी के सदस्यों ने तत्परता दिखाते हुए दबे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मामूली चोट लगने वाले लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी।

हादसे के बाद मेले के कार्यक्रम को गंजिया बाजार में संपन्न कराया गया। कस्बा चौकी प्रभारी हरिशंकर सिंह ने बताया कि मेला सकुशल संपन्न करा दिया गया। बुधवार को चुनौंटा कुआं पर भरत मिलाप के लिए बनाए जा रहे मंच की ऊंचाई कम कराई गयी है। साथ ही समिति के सदस्यों को ही मंच पर स्थान देने की बात कही गयी है, ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। रामलीला समिति के अध्यक्ष साहू और महामंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद ने बताया कि हादसे में घायल लोगों के इलाज का खर्च समिति की ओर से वहन किया जा रहा है।

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से तीन युवतियां सकुशल बरामद

आर्थिक तंगी के चलते बिना बताये मजदूरी करने गयी थीं, परिजनों ने ली राहत की सांस

मऊआइमा (प्रयागराज)। मऊआइमा थाना क्षेत्र के सराय खानदेव गांव से लापता हुईं तीन युवतियों को पुलिस ने सर्विलांस की मदद से गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। बुधवार सुबह गांव का एक युवक तीनों को लेकर थाने पहुंचा।

पुलिस ने पूछताछ के बाद युवतियों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बेटियों के सकुशल मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली।जानकारी के अनुसार, सराय खानदेव निवासी चैतू राम सरोज ने मंगलवार को पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि १९ अक्तूबर को उनकी बेटियां पूनम (२०) और चांदनी (१९), गांव के धर्मराज चौहान की बेटी खुशबू (२०) के साथ धान काटने की बात कहकर घर से निकली थीं।

देर रात तक तीनों के वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उनकी तलाश शुरू की गयी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस के अनुसार, तीनों युवतियां आर्थिक तंगी के कारण मजदूरी करने गाजियाबाद चली गयी थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण घर का खर्च चलाने में परेशानी हो रही थी। इसी वजह से उन्होंने काम करने के लिए बाहर जाने का फैसला किया था। प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा ने बताया कि तीनों युवतियां बालिग हैं और अपनी मर्जी से कमाने के लिए गाजियाबाद गयी थीं। सर्विलांस की मदद से उनका पता लगाया गया और उन्हें सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया।

संदिग्ध परिस्थिति में आठ वर्षीय बालक की मौत

बरगढ़ (चित्रकूट)। बरगढ़ थाना क्षेत्र के सेमरा निवासी आठ वर्षीय अंश द्विवेदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रात में पेट दर्द, सीने में तकलीफ और सांस लेने में परेशानी के बाद परिजन उसे कई निजी अस्पतालों में ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए अंतिम संस्कार कर दिया।अंश के बाबा भीष्म द्विवेदी के अनुसार, सोमवार शाम समोसा खाने और घर पर भोजन करने के बाद अंश सो गया था। रात करीब तीन बजे उसके पेट में दर्द शुरू हुआ। मंगलवार सुबह दवा देने के बाद उसे उल्टी हुई। कुछ देर राहत मिलने के बाद तबीयत फिर बिगड़ गई। शंकरगढ़ के निजी अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। बालक की मौत को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं, लेकिन वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं है। अंश कक्षा दो का छात्र था। उसकी मौत से मां उपमा देवी, बहन शालिनी और छोटे भाई आयुष का रो-रोकर बुरा हाल है।

रामबाग के ऐतिहासिक दशहरा मेले में उमड़ा जनसैलाब, रावण वध के बाद निकलीं आकर्षक चौकियां

गंगा-जमुनी तहजीब की दिखी मिसाल, २० स्थानोंकी दुर्गा प्रतिमाओंका शृंग्वेरपुरके पन्ना घाटपर विसर्जन

मऊआइमा (प्रयागराज)। मऊआइमा के रामबाग में आयोजित ऐतिहासिक दशहरा एवं रामलीला मेले में मंगलवार को श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मेले में सजी दुकानों पर दिनभर रौनक रही। हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोगों की सहभागिता ने आपसी सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।

मेले के संचालन के लिए विशेष मंच बनाया गया था, जहां से पूरे आयोजन की व्यवस्था संचालित की जा रही थी। मंच पर एमएलसी डा. सुरेंद्र चौधरी, पूर्व ब्लाक प्रमुख सुधीर मौर्य और अपना दल एस के किशन सरोज सहित बड़ी संख्या में अतिथि मौजूद रहे। देर शाम रावण वध के बाद आकर्षक चौकियां और झांकियां डीजे तथा गाजे-बाजे के साथ निकाली गईं। जुलूस गंजिया बाजार, कोट, चुनौंटा कुआं, नाटी इमली, सदर बाजार और तीन बत्ती होते हुए आगे बढ़ा। देर रात तक मेले में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। प्रभारी निरीक्षक जगदीश कुशवाहा और कस्बा चौकी प्रभारी हरिशंकर सिंह पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभालते रहे। मऊआइमा में २० स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाएं रामबाग स्थित पक्का तालाब पर एकत्र हुईं। यहां से श्रद्धालु डीजे और बिंदेश्वरी प्रसाद, संयोजक शनि खत्री और अध्यक्ष निमिष खत्री सहित विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों के सदस्य



गाजे-बाजे के साथ प्रतिमाओं को लेकर श्रृंगवेरपुर के पन्ना घाट पहुंचे, जहां विधि-विधान से विसर्जन किया गया। इस दौरान रामलीला समिति के अध्यक्ष सचिन साहू, महामंत्री तथा समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे। समिति के अनुसार, बुधवार देर रात चुनौंटा कुआं पर भरत मिलाप के आयोजन के साथ मेले का समापन होगा।

ज्ञान मण्डल प्राइवेट लिमिटेडके लिए जितेन्द्र कुमार सिंह द्वारा ज्ञानमण्डल यंत्रालय, ३ लीडर रोड, प्रयागराजसे मुद्रित तथा लीडर बिल्डिंग, ३ लीडर रोड, प्रयागराज से प्रकाशित।

सम्पादक : शार्दूल विक्रम गुप्त

स्थानीय सम्पादक-जितेन्द्र सिंह

वाराणसी : सन्त कबीर मार्ग
गोरखपुर : बैंक रोड
कानपुर : बांसमण्डी
लखनऊ : १, जापलिंग रोड
आगरा : महात्मा गांधी रोड
बरेली : रोड नं. ३, परसाखेड़ा
पटना : फ्रेजर रोड
रांची : नामकुम इंडस्ट्रियल एरिया
जमशेदपुर : कालीमाटी रोड
धनबाद : कतरास रोड

वर्ष-३१ पू.सं. (११३५७)
रजिस्ट्रेशन संख्या-५९७४१/९५

दूरभाष: २६१५०८०,२६१६१५४

E-mail:ajalld@yahoo.com
ajalld@rediffmail.com
ajdaily86@gmail.com

पी.आर.बी. अधिनियमके अन्तर्गत समाचारके चयनके लिए जितेन्द्र सिंह जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद जनपद न्यायालय, प्रयागराजके अधीन होगा।

फाफामऊ में युवक पर जानलेवा हमला, सिर पर डंडे से किया वार

फाफामऊ (प्रयागराज)। फाफामऊ थाना क्षेत्र के गद्दोपुर निवासी एक युवक पर कथित तौर पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने युवक को उसके किराये के कमरे से बाहर निकालकर डंडों से पीटा और सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता अनुराधा विश्वकर्मा के अनुसार, उनका बेटा आदित्य विश्वकर्मा मंगलवार रात करीब १० से ११ बजे के बीच अपने किराये के कमरे में मौजूद था। आरोप है कि इसी दौरान फाफामऊ बाजार निवासी नीतीश कुमार अपने दो-तीन अज्ञात साथियों के साथ वहां पहुंचा और आदित्य के साथ मारपीट करने लगा। तहरीर के मुताबिक, हमलावर आदित्य को कमरे से बाहर ले गये और डंडों से उसके सिर पर वार किया, जिससे उसका सिर फट गया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गये। घटना के बाद पीड़िता ने फाफामऊ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की काररवाई के लिए जांच की जा रही है।

पटाखे की दुकान पर पुलिस का छापा, १३९ पैकेट पटाखे जब्त

महिला गिरफ्तार, पति फरार

नैनी (प्रयागराज)। त्योहारों के मद्देनजर अवैध पटाखों की बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में नैनी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने महेवाला फाटक के पास स्थित एक दुकान पर छापा मारकर अवैध पटाखों के १३९ पैकेट बरामद किए। मौके से एक महिला को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका पति फरार हो गया। पुलिस ने बरामद पटाखों को सील कर मामले में विधिक काररवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, १९ अक्तूबर २०२६ को उपनिरीक्षक दिवाकर खरवार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था और वांछित आरोपियों की तलाश में निकले थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि महेवाला फाटक के पास भांग की दुकान के बगल में स्थित 'बर्थडे सेलिब्रेशन' नामक दुकान में बिना लाइसेंस भारी मात्रा में पटाखे बेचे जा रहे हैं। सूचना में यह भी आशंका जताई गयी कि घनी आबादी के बीच पटाखों की बिक्री से कोई अप्रिय घटना हो सकती है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दुकान की तलाशी ली। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया, जबकि एक महिला बोरियों में पटाखे भरती मिली। पूछताछ में महिला ने अपना नाम शाइबा, पत्नी कासिम अहमद, निवासी १६८ चकदाउदी, थाना नैनी बताया। महिला ने फरार व्यक्ति को अपना पति कासिम अहमद बताया। पूछताछ में उसने कथित तौर पर बताया कि पति-पत्नी चोरी-छिपे पटाखे बेचकर घर का खर्च चलाते हैं। पुलिस के अनुसार, दुकान से नौ प्रकार के कुल १३९ पैकेट पटाखे बरामद हुए। इनमें पोस्टर के ३५, जाय के १३, रामजी ३०० के ११, रामजी ६०० के १५, बीड़ी पटाखे के २८, कृष्णा ०२ साउंड राकेट के चार, लियार्ड किंग मेड इन इंडिया के २५, कलर कोठी के पांच और ३एम३५एम के तीन पैकेट शामिल हैं। बरामद सामान को सील कर नमूना मोहर तैयार की गयी। पुलिस ने महिला को रात करीब १०:३० बजे भारतीय न्याय संहिता की धारा २८८ तथा विस्फोटक अधिनियम, १८८४ की धारा ५/९ख के तहत गिरफ्तार किया है। फरार आरोपी कासिम अहमद की तलाश की जा रही है।

मानस रामलीला समिति का रामदल सजधज कर निकला, भव्य झांकियों ने मोहा मन

शिव तांडव, सीता स्वयंवर और राम दरबारकी झांकियों के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा

नैनी (प्रयागराज)। विजयादशमी के अवसर पर बुधवार, २१ अक्तूबर २०२६ को मानस रामलीला समिति नैनी का पारंपरिक रामदल पूरे साज-सज्जा के साथ निकाला गया। रामदल में आधा दर्जन से अधिक भव्य और आकर्षक झांकियां शामिल रहीं, जिन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर रामदल का स्वागत किया। जयकारों और उत्साह के बीच पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया।

रामदल में भगवान शिव के तांडव, शिव शंकर-माता गंगा, सीता हरण, राम दरबार, देवलोक दरबार और सीता स्वयंवर सहित कई आकर्षक झांकियां सजाई गयी थीं।

शोभायात्रा के सबसे आगे झंडा गाड़ी चल रही थी। इसके साथ आधा दर्जन डीजे और ऊंट भी आकर्षण का केंद्र रहे। झांकियों को देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ जुटी रही। रामदल रामलीला मैदान से निकलकर चकभटाई, काटन मिल्स तिराहा, अरैल मोड़, मिर्जापुर रोड, शंकरढाल, नैनी बाजार, हनुमान नगर, मेवालाल बगिया, सब्जी मंडी, अशोक टाकीज चौराहा और पीएसी चौराहा होते हुए पुनः रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुआ। इससे पूर्व आदर्श रामलीला मंडल चित्रकूट के कलाकारों ने कुंभकरण वध, मेघनाथ वध और रावण वध तक की लीलाओं का भव्य मंचन किया।

कलाकारों के अभिनय ने दर्शकों को रामकथा के प्रसंगों से भावनात्मक रूप से जोड़े रखा। इस अवसर पर मानस रामलीला समिति के मुख्य संरक्षक प्रदीप महरा शास्त्री, अध्यक्ष धीरेंद्र यादव धीरू, महामंत्री नयन कुमार कुशवाहा, संरक्षक शिवशंकर दीक्षित, राकेश श्रीवास्तव, सुभाष केशरवानी, सुभाष प्रधान, अर्पित तिवारी, रवि यादव, सुनील यादव, पुन्नू सिंह, वीरेंद्र यादव, राजकुमार कुशवाहा, पवन पांडेय, राजेश थापा, दीना भैया, विजय कुशवाहा, करन हांडा, विनोद जैकब और मनोज जायसवाल सहित सैकड़ों कार्यक ता एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

'मां अगले बरस जल्दी आना' के जयघोषके साथ ३५० से अधिक प्रतिमाओंका विसर्जन

अंदावा तालाबपर उमड़ा श्रद्धालुओंका सैलाब, भावुक विदाई के बीच भक्तों ने मांगी सुख-समृद्धि की कामना

झूंसी (प्रयागराज)। शक्ति की उपासना, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम झूंसी के अंदावा स्थित ऐतिहासिक तालाब पर देखने को मिला। शारदीय नवरात्र के समापन पर मंगलवार और बुधवार को मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन पूरे श्रद्धा भाव के साथ किया गया। ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजे, भक्ति गीतों और 'मां अगले बरस जल्दी आना' के जयघोष से पूरा क्षेत्र देवीमय हो उठा। नगर निगम के जोनल अधिकारी अशोक कुमार के अनुसार, अब तक ३५० से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा चुका था।

मंगलवार सुबह से ही अंदावा तालाब के आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। शहर के विभिन्न इलाकों से पूजा समितियों की शोभायात्राएं मां दुर्गा की प्रतिमाओं के साथ तालाब पहुंचीं। महिलाएं, युवा और बच्चे पारंपरिक परिधानों में सजकर शोभायात्राओं में शामिल हुए। आकर्षक झांकियों, बैंड-बाजे और ढोल-नगाड़ों के बीच श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते हुए आगे बढ़े। रास्ते भर मां के जयकारे गूंजते रहे।

विसर्जन के दौरान भावुक दृश्य देखने को मिले। जैसे ही मां दुर्गा की प्रतिमाओं को जल में विसर्जित किया गया, कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। भक्तों ने हाथ जोड़कर मां से अगले वर्ष फिर आने और अपने परिवारों पर कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। 'मां अगले बरस जल्दी आना' के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां को विदायी दी। आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन सतर्क रहा। राजस्व विभाग, पुलिस, जल पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की टीमें मौके पर मौजूद रहीं। नगर निगम की ओर से साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण के लिए इंतजाम किए गए, जबकि स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस और मेडिकल टीमें भी एहतियातन तैनात रहीं। तालाब के आसपास सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गये। समाचार लिखे जाने तक किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं थी।



छात्र ने की आत्महत्या

नैनी (प्रयागराज)। नैनी कोतवाली क्षेत्र के नैनी गांव में देर शाम १०वीं कक्षा के एक छात्र की आत्महत्या की घटना से परिजनों में कोहराम मच गया

बताया जा रहा है कि १६ वर्षीय छात्र अमित पुत्र हरीलाल निवासी नैनी गांव अपने कमरे में था। देर शाम जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया तो परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। कोई आवाज न आने पर दरवाजा खोला तो देखा छात्र ने फांसी लगा ली थी। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर नैनी के निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नैनी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि छात्र पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था और उसका इलाज भी चल रहा था। हालांकि आत्महत्या के पीछे का असली कारण अभी स्पष्ट नहीं है। नैनी छिवकी चौकी प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि नैनी गांव में एक किशोर के आत्महत्या की सूचना मिली थी। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, मामले की जांच की जा रही है।

शंकरगढ़ राजमहल में निभायी गयी राजगद्दी समारोह की रस्म

शस्त्र पूजन के बाद निभायी गयी परंपरा, राजा ने श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का किया आह्वान

शंकरगढ़ (प्रयागराज)। विजयादशमी के अवसर पर रामभवन चौराहे स्थित राजमहल परिसर में राजगद्दी समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कसौटा बारा राज के ३६वें राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने शस्त्र पूजन के बाद परंपरागत रूप से राजगद्दी की रस्म निभाई। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने उन्हें नजराना भेंट कर अभिवादन किया। समारोह में राजपरिवार के सदस्यों सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि दशहरा सत्य, धर्म और मर्यादा का संदेश देने वाला पर्व है। भगवान श्रीराम ने रावण का अंत कर समाज को यह शिक्षा दी कि बुराई चाहे कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उसका विनाश निश्चित है।

उन्होंने लोगों से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और समाज में सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया। राजा ने कहा कि शंकरगढ़ राजपरिवार का क्षेत्रीय जनता से पीढ़ियों पुराना संबंध है। आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित यह रिश्ता आज भी कायम है। उन्होंने पूर्वजों की धार्मिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना और बेटियों को सम्मान देना उनका संकल्प है। समारोह के समापन पर उन्होंने क्षेत्रवासियों के उज्ज्वल भविष्य, सुख-समृद्धि और विकास की कामना करते हुए सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन मैनेजर अमरेंद्र सिंह उर्फ मुन्नू दादा और गुलाब सिंह ने किया। इस अवसर पर युवराज शिवेंद्र प्रताप सिंह, भंवर त्र्यंबकेश्वर प्रताप सिंह, मधुकर प्रताप सिंह, लालविजय सिंह, प्रधानाचार्य राकेश प्रताप सिंह, एमपी सिंह, कुंजनलाल मिश्रा, चंद्रमणि त्रिपाठी, दिनेश तिवारी, रोहित केसरवानी छाया, विजय बहादुर सिंह, संत राम गुप्ता, रामबोध खरवार, अजय प्रताप सिंह, ओपी धारिया, त्रियुगी कान्त मिश्र, देवदत्त त्रिपाठी, कृष्णदेव मिश्रा, अनूप केसरवानी, सुरेश भाई, सुरेंद्र श्रीवास्तव, अरुण सिंह, मुखिया केसरवानी और रमेश केसरवानी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

